चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	29-9-23	4	1-2

एचएयू में व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर 5 से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से 5 अक्तूबर से व्यावसायिक प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे। सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षणों में 5 से 7 अक्तूबर तक मशरूम उत्पादन तकनीक, 11 से 13 अक्तूबर तक मत्स्य पालन, 16 से 18 अक्तूबर तक सब्जियों की संरक्षित खेती, 19 से 21 अक्तूबर तक बेकरी और बाजरा उत्पाद, 25 से 27 अक्तूबर तक केंचुआ खाद उत्पादन व 25 से 27 अक्तूबर तक मधुमक्खी पालन शामिल हैं।

इसके अलावा पांच दिवसीय प्रशिक्षण में 16 से 20 अक्तूबर तक डेयर फार्मिंग विषय शामिल है। इच्छुक युवक व युवतियां सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में उपरोक्त प्रशिक्षणों के आरंभ होने की तारीख को सुबह साढ़े 8 बजे पहुंचकर अपना पंजीकरण करवाकर प्रशिक्षण में भाग ले सकेंगे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	29-9-23	12	4-5

हकृवि में 5 अक्तूबर से विभिन्न विषयों पर सात प्रशिक्षणों का होगा आयोजन

हिसार, 28 सितंबर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से अक्तूबर माह के दौरान विभिन्न विषयों पर कुल सात व्यवसायिक प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे, जिनकी अवधि तीन दिन से पांच दिन होगी। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षणों में 5 से 7 अक्तूबर तक मशरूम उत्पादन तकनीक, 11 से 13 अक्तूबर तक मत्स्य पालन, 16 से 18 अक्तूबर तक सब्जियों की संरक्षित खेती, 19 से 21 अक्तूबर तक बेकरी और बाजरा उत्पाद, 25 से 27 अक्तूबर तक केंचुआ खाद उत्पादन व 25 से 27 अक्तूबर तक मधुमक्खी पालन शामिल हैं, जबकि पांच दिवसीय प्रशिक्षण में 16 से 20 अक्तूबर तक डेयर फार्मिंग विषय शामिल है। डॉ. गोदारा के अनुसार ये सभी प्रशिक्षण निशुल्क होंगे और प्रशिक्षणों के समापन पर प्रतिभागियों को संस्थान की तरफ से प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। इन सभी प्रशिक्षणों में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभागियों को उत्पादन तकनीकों व नवाचारों की जानकारी देकर उनका कौशल विकास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण से संबंधित इकाईयों का भ्रमण करवाकर उनका ज्ञानवर्धन किया जाएगा। इन प्रशिक्षणों के लिए इच्छुक युवक व युवतियां सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में उपरोक्त प्रशिक्षणों के आरंभ होने की तारीख को सुबह साढ़े 8 बजे पहुंचकर अपना पंजीकरण करवाकर प्रशिक्षण में भाग ले सकेंगे। यह संस्थान विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3, लुदास रोड पर स्थित है। सभी प्रशिक्षणों में प्रवेश पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। पंजीकरण के लिए उम्मीदवारों की एक फोटो व आधार कार्ड की फोटोकॉपी साथ लेकर आनी होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	29.9.23	12	1-3

भारत में हरित क्रांति के जनक डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 28 सितंबर (विरेंद्र वर्मा): भारत में हरित क्रांति के जनक, पदम् भूषण, पदम् विभूषण व पदम्श्री सम्मान से अलंकृत महान कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन के निधन पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने गहरा शोक जताकर संवेदना प्रकट की है। कुलपति ने विश्वविद्यालय के समस्त परिवार की तरफ से इस महान वैज्ञानिक को श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। कुलपति प्रो. काम्बोज ने गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन की भारत में हरित क्रांति का सूत्रपात करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिनके अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें फादर ऑफ ग्रीन रेवोल्यूशन इन इंडिया की संज्ञा प्रदान की गई। कुलपति ने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के हरित क्रांति में योगदान से भी बहुत प्रभावित रहे। उन्होंने वर्ष 1984 में इस विश्वविद्यालय का विशेष रूप से दौरा किया और यहां चल रहे अनुसंधानों का अवलोकन कर शोध कार्यों की प्रशंसा की। कुलपति ने इस महान वैज्ञानिक के अतुल्य योगदान को याद करते हुए कहा कि 1960 में जब भारत अन्न की कमी से जूझ रहा था तब उस समय इस महान वैज्ञानिक ने गेहूं की अधिक पैदावार देने वाली प्रजाति तैयार की थी। भारत सरकार की ओर से उन्हें विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सन् 1967 में पदम्श्री, 1972 में पदम् भूषण और 1989 में पदम् विभूषण से सम्मानित किया गया था। साथ ही 1999 में टाइम पत्रिका ने उन्हें 20वीं सदी के सबसे प्रभावी 200 एशियाई व्यक्तियों की सूची में स्थान दिया। कुलपति ने आगे बताया कि एम.एस. स्वामीनाथन ने सबसे पहले गेहूं की एक बेहतरीन किस्म को पहचाना और स्वीकार किया। जिस कारण भारत खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बन सका। इसलिए डॉ. स्वामीनाथन को भारत में हरित क्रांति का अगुआ माना जाता है। उन्होंने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन के प्रयत्नों की बदौलत खाद्यान्न के मामले में हमारा देश आत्मनिर्भर बन सका है। उन्होंने बताया कि डॉ. एम.एस.स्वामीनाथन को अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर कई ख्यातियों से नवाजा जा चुका है, जिनमें मैग्सेसे पुरस्कार, अल्बर्ट आइंस्टीन वर्ल्ड साइंस पुरस्कार, विश्व खाद्य पुरस्कार, टाइलर पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कार शामिल हैं।

महान कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन हकृवि के तत्कालीन कुलपति एल.डी. कठारियां के साथ अनुसंधान फार्म पर फसलों का अवलोकन करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	29.9.23	3	3-5

1984 में डा. स्वामीनाथन आए थे हकृवि

जागरण संवाददाता, हिसार : भारत में हरित क्रांति के जनक, पदम् भूषण, पदम् विभूषण व पद्मश्री सम्मान से अलंकृत महान कृषि वैज्ञानिक डा. एमएस स्वामीनाथन के निधन पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने शोक जताकर संवेदना प्रकट की है। डा. एमएस स्वामीनाथन वर्ष 1984 में हकृवि का दौरा कर विश्वविद्यालय में चल रहे अनुसंधानों का अवलोकन कर शोध कार्यों को देखा था। कुलपति ने विश्वविद्यालय के समस्त परिवार की तरफ से महान वैज्ञानिक को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कुलपति ने कहा कि डा. एमएस स्वामीनाथन की भारत में हरित क्रांति का सूत्रपात करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें फादर आफ ग्रीन रेवोल्यूशन इन इंडिया की संज्ञा प्रदान की गई। कुलपति ने कहा कि डा. स्वामीनाथन चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के हरित क्रांति में योगदान से भी बहुत प्रभावित रहे। उन्होंने वर्ष 1984 में इस विश्वविद्यालय का दौरा किया और यहां चल रहे अनुसंधानों का अवलोकन कर शोध कार्यों की प्रशंसा की। कुलपति ने कहा कि 1960 में जब भारत अन्न की कमी से जूझ रहा था तब उस समय इस महान वैज्ञानिक ने गेहूं की अधिक पैदावार देने वाली प्रजाति तैयार की थी। भारत सरकार की ओर से उन्हें विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सन 1967 में पदमश्री, 1972 में पदम् भूषण और 1989 में पदम् विभूषण से सम्मानित किया था। साथ ही 1999 में टाइम पत्रिका ने उन्हें 20वीं सदी के सबसे प्रभावी 200 एशियाई व्यक्तियों की सूची में स्थान दिया।

डा. एमएस स्वामीनाथन हकृवि के तत्कालीन कुलपति एलडी कटारिया के साथ अनुसंधान फार्म पर फसलों का अवलोकन करते हुए। ● सौजन्य : हकृवि पीआरओ विभाग।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	28.9.2023	--	--

हकृवि ने डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन के निधन पर दी श्रद्धांजलि

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। भारत में हरित क्रांति के जनक, पदम् भूषण, पदम् विभूषण व पदम्श्री सम्मान से अलंकृत महान कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन के निधन पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने गहरा शोक जताकर संवेदना प्रकट की है। कुलपति ने विश्वविद्यालय के समस्त परिवार की तरफ से इस महान वैज्ञानिक को श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। कुलपति प्रो. काम्बोज ने गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन की भारत में हरित क्रांति का सूत्रपात करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिनके अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हे फादर ऑफ ग्रीन रेवोल्यूशन इन इंडिया की संज्ञा प्रदान की गई। कुलपति ने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के हरित क्रांति में योगदान से भी बहुत प्रभावित रहे। उन्होंने वर्ष 1984 में इस विश्वविद्यालय का विशेष रूप से दौरा किया और यहां चल रहे अनुसंधानों का अवलोकन कर शोध कार्यों की प्रशंसा की। कुलपति ने इस महान वैज्ञानिक के अतुल्य योगदान को याद करते हुए कहा कि 1960 में जब भारत अन्न की कमी से जूझ रहा था तब उस समय इस महान वैज्ञानिक ने गेहूं की अधिक पैदावार देने वाली प्रजाति तैयार की थी।

भारत सरकार की ओर से उन्हें विज्ञान एवं अभियात्रिकी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सन् 1967 में पदम्श्री, 1972 में पदम् भूषण और 1989 में पदम् विभूषण से सम्मानित किया गया था। साथ ही 1999 में टाइम पत्रिका ने उन्हे 20वीं सदी के सबसे प्रभावी 200 एशियाई व्यक्तियों की सूची में स्थान दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	28.9.2023	--	--

हकृवि में पांच अक्तूबर से अलग-अलग विषयों पर सात प्रशिक्षणों का होगा आयोजन

हिसार, 28 सितम्बर (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से अक्टूबर माह के दौरान विभिन्न विषयों पर कुल सात व्यवसायिक प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे, जिनकी अवधि तीन दिन से पांच दिन होगी। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षणों में 5 से 7 अक्तूबर तक मशरूम उत्पादन तकनीक, 11 से 13 अक्तूबर तक मत्स्य पालन, 16 से 18 अक्तूबर तक सब्जियों की संरक्षित खेती, 19 से 21 अक्तूबर तक बेकरी और बाजरा उत्पाद, 25 से 27 अक्तूबर तक केंचुआ खाद उत्पादन व 25 से 27 अक्तूबर तक मधुमक्खी पालन शामिल हैं, जबकि पांच दिवसीय प्रशिक्षण में 16 से 20 अक्तूबर तक डेयर फार्मिंग विषय शामिल है। डॉ. गोदारा के अनुसार ये सभी प्रशिक्षण निशुल्क होंगे और प्रशिक्षणों के समापन पर प्रतिभागियों को संस्थान की तरफ से प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। इन सभी प्रशिक्षणों में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभागियों को उत्पादन तकनीकों व नवाचारों की जानकारी देकर उनका कौशल विकास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण से संबंधित इकाईयों का भ्रमण करवाकर उनका ज्ञानवर्धन किया जाएगा। इन प्रशिक्षणों के लिए इच्छुक युवक व युवतियां सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में उपरोक्त प्रशिक्षणों के आरंभ होने की तारीख को सुबह साढ़े 8 बजे पहुंचकर अपना पंजीकरण करवाकर प्रशिक्षण में भाग ले सकेंगे। यह संस्थान विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3, लुदास रोड पर स्थित है। सभी प्रशिक्षणों में प्रवेश पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। पंजीकरण के लिए उम्मीदवारों की एक फोटो व आधार कार्ड की फोटोकॉपी साथ लेकर आनी होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पानी बड़ा	28.9.2023	--	--

हकृवि में पांच अक्तूबर से विभिन्न विषयों पर सात प्रशिक्षणों का होगा आयोजन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से अक्टूबर माह के दौरान विभिन्न विषयों पर कुल सात व्यवसायिक प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे, जिनकी अवधि तीन दिन से पांच दिन होगी। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षणों में 5 से 7 अक्तूबर तक मशरूम उत्पादन तकनीक, 11 से 13 अक्तूबर तक मत्स्य पालन, 16 से 18 अक्तूबर तक सब्जियों की संरक्षित खेती, 19 से 21 अक्तूबर तक बेकरी और बाजरा उत्पाद, 25 से 27 अक्तूबर तक केंचुआ खाद उत्पादन व 25 से 27 अक्तूबर तक मधुमक्खी पालन शामिल हैं, जबकि पांच दिवसीय प्रशिक्षण में 16 से 20 अक्तूबर तक डेयर फार्मिंग विषय शामिल है। डॉ. गोदारा के अनुसार ये सभी प्रशिक्षण निशुल्क होंगे और प्रशिक्षणों के समापन पर प्रतिभागियों को संस्थान की तरफ से प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। इन सभी प्रशिक्षणों में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभागियों को उत्पादन तकनीकों व नवाचारों की जानकारी देकर उनका कौशल विकास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण से संबंधित इकाईयों का भ्रमण करवाकर उनका ज्ञानवर्धन किया जाएगा। इन प्रशिक्षणों के लिए इच्छुक युवक व युवतियां सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में उपरोक्त प्रशिक्षणों के आरंभ होने की तारीख को सुबह साढ़े 8 बजे पहुंचकर अपना पंजीकरण करवाकर प्रशिक्षण में भाग ले सकेंगे। यह संस्थान विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3, लुदास रोड पर स्थित है। सभी प्रशिक्षणों में प्रवेश पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। पंजीकरण के लिए उम्मीदवारों की एक फोटो व आधार कार्ड की फोटोकॉपी साथ लेकर आनी होगी।